①

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 751 G

Unique Paper Code : 2133102002

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : **B.A. (Hons)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. आयुर्वेद के आचार्य चरक का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए । (20)

Discuss about the aacharya caraka of āyurveda and explain their Contribution.

अथवा / OR

आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

Describe the ayurvedavatarana in detail.

2. निम्नलिखिंत विषयों में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (20)

Write short notes on **any two** of the following topics :

(i) हेमन्त ऋतुचर्या (Regimen of winter seasons)

(ii) वसन्त ऋतुचर्या (Regimen of spring seasons)

(iii) शरद् ऋतुचर्या (Regimen of autumn seasons)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा / OR

आयुर्वेद के अनुसार आहार और विरुद्धाहार की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain the ayurveda concept of ahara and viruddhāhāra.

3. तैतिरीयोपनिषद्-भृगुवल्ली में वर्णित पञ्चकोश का वर्णन कीजिए। (20)

Describe the pancakosa as depicted in the Bhrguvalli of Taittiriyopanisad in detail.

अथवा / OR

माधवनिदान एवं शार्ङगधरसंहिता पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

Write detailed notes on Madhavanidāna and sarnagadharasamhita.

4. आयुर्वेद के अनुसार ऋतुचर्या का वर्णन कीजिए। (15)

Describe the 'seasonal regimen' according to Ayurveda.

अथवा / OR

KALINDI COLLEGE LIBRARY

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on **any three** of the following topics :

(i) हल्दी (haridra)

(ii) भृंगराज (bharngaraja)

(iii) हरितकी (haritaki)

(iv) अश्वगन्धा (Aswagandha)

5. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का विस्तृत वर्णन कीजिए। (15)

Describe the punarvasu tradition of ayurveda in detail.

अथवा / OR

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on **any two** of the following topics :

(i) आकृति परीक्षण (Examination of appearance)

(ii) जिह्वा परीक्षण (Tongue Examination)

(iii) नाडी परीक्षण (Pulse Examination)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

②

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 5223 G

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit, Core

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक-एक मन्त्र की व्याख्या कीजिए :

Explain One Mantra from each section : (6×2=12

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) अग्निनारयिमश्नवत्पोषमेवदिवेदिवे।
यशसंवीरवत्तमम्।।

(आ) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्परिगृहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोतातन्मेमनःशिवसंकल्पमस्तु।।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

खण्ड (ख)

Section (II)

(अ) ऋतावरीदिवो अर्कैरबोध्यारेवती रोदसी चित्रमस्थात्।
आयतीमग्नउषसंविभातींवाममेषीद्रविणं भिक्षमाणः।।

(आ) नीचावर्तन्ते उपरिस्फुरन्त्यहस्तासोहस्तवन्तं सहन्ते।
दिव्या अंगाराइरिणेन्युप्ताःशीताःसन्तोहृदयंनिर्दहन्ति।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any **three** out of the following Mantras :

(क) सत्यं बृहदृतमुग्रंदीक्षातपो ब्रह्मयज्ञःपृथिवीं धारयन्ति।
सानोभूतस्य भव्यस्यपत्न्युरुंलोकं पृथिवीनः कृणोतु।।

(ख) यज्जाग्रतो दूरमुदैति देवं तदु सुप्तस्य तथैवेति।
दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ग) तत्रापराऋग्वेदोयजुर्वेदःसामवेदोऽथर्ववेदः
शिक्षाकल्पोव्याकरणं निरुक्तं छन्दोज्योतिषमिति।
अथ पराययातदक्षरम् अधिगम्यते।।

(घ) मन्त्रेषु कर्माणि कवयोयान्यपश्यंस्तानित्रेतायांबहुधा सन्ततानि।
तान्याचरथनियतंसत्यकामाएषवःपन्थासुकृतस्यलोके।।

(ङ) अविद्यायाम् अन्तरे वर्तमानाःस्वयंधीराःपंडितं मन्यमानाः।
जंघन्यमानाः परियन्तिमूढाः अन्धेन एवनीयमानाःयथा अन्धाः।।

3. उषस् के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (10)

Describe the Vedic features of Usas.

अथवा / Or

सांमनस्यम्सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Describe the Social importance of Sammanasyam Sukta.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. निम्नलिखित मे से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए : (3×2=6)

Write note on any **Two** of the following :

(क) क्त्वार्थकप्रत्यय

(ख) वैदिकस्वरित

(ग) तुमर्थकप्रत्यय

(घ) लेट्लकार

5. प्रश्नसंखया एक से किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / Or

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन करें।

Describe the **Six** main rules of Padapatha.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (6×2)

Explain any **Two** Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) यथोर्णनाभिः सृजते गृह्यतेच यथा पृथिव्यामोषधयः सम्भवन्ति ।

यथासतः पुरुषात्केषलोमानितथाक्षरात्सम्भवतीह विश्वम् ।।

(आ) यः सर्वज्ञः सर्वविद्यस्य ज्ञानमयंतपः ।

तस्मादेतद्ब्रह्म नामरूपमन्नं चजायते ।।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

खण्ड (ख)

Section (II)

(अ) द्वासुपर्णासयुजासखाया

समानंवृक्षंपरिषस्वजाते ।

तयोरन्य: पिप्पलंस्वाद्धत्त्य्-

अनश्नन्यो अभिचाकशीति ।।

(आ) कालीचकरालीचमनोजवाचसुलोहितायाचसुधूम्रवर्णा ।

स्फुलिंगिनीविष्वरुचीचदेवी लेलायमाना इति सप्तजिह्वा ।।

मुण्डकोपनिषद् का दार्शनिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए । (10)

Describe the Philosophical importance of Mundkopanishada.

अथवा / Or

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परमात्मा का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए ।

Describe about Parmatama according to Mundkopnishada.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

5223

8. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain this Mantra in Sanskrit Language.

(क) अग्ने: यंयज्ञमध्वरंविश्वत: परिभूरसि ।

सइद्देवेषुगच्छति ॥

अथवा / Or

(ख) तपसाचीयतेब्रह्मतत: अन्नम् अभिजायते ।

अन्नात्प्राण: मन: सत्यं लोका: कर्मसुच अमृतम् ॥

(1300)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(3)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 5264 G

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : B.A. (H)

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित किन्हीं चार वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any **four** words of the following :

इ, ग्, झ्, ण्, लृ, ब्, ऐ, व्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any **two** technical terms of the following :

लोपः, ह्रस्वः, उदात्तः, सवर्णम्, संयोगः

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

Write the letters of any **four** of the प्रत्याहार.

अक्, एङ्, इण्, झष्, यर्, शर्, झय्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का सूत्रनिर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

Disjoin Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras :

मद्ध्वरिः, विष्णंवे, उपेन्द्रः, रामश्शेते, वागीशः, शिवो वन्द्यः, अघो याहि

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following :

आदिरन्त्येन सहेता, सुप्तिङन्तं पदम्, तपरस्तत्कालस्य, एङि पररूपम्, ष्टुना ष्टुः

भाग ख / Section B

6. **अन्विति** 1 से **तीन** तथा **अन्विति** 2 से **दो** पदों को चुनकर कुल **पांच** पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing **Three** compounds from Unit 1 and **two** compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति 1

अधिहरि, ग्रामगतः, चोरभयम्, नीलोत्पलम्, अनश्वः

अन्विति 2

कण्ठेकालः, धर्मार्थौ, शिवकेशवौ, पितरौ

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following sutras :

उपसर्जन पूर्वम्, षष्ठी, नदीभिश्च, तस्मान्नुडचि, अजाद्यदन्तम्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों में प्रकृति -प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : (5×2=10)

Justify प्रकृति-प्रत्यय in any **five** compounds of the following :

अङ्गुलीयम्, अश्ममयम्, गोत्वम्, दण्डी, औपगवः, दाक्षिः, काकम्, दिश्यम्, कण्ठ्यम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद-निर्माण कीजिए : (3×2=6)

Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any **three** of them to form the respective compounds:

विनता+ढक्, ग्राम+तल्, जिह्वामूल+छ, पृथु+इमनिच्, जड+ष्यञ्, पण्डा+इतच्

(2000)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(4)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

G

Sr. No. of Question Paper : 604

Unique Paper Code : 2132101102-DSC2

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का अनुवाद कीजिए :

(6×2=12)

Translate any **two** of the following verses :

(i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नत: पीडय-

न्पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दित: ।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादये-

न्नतुप्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमारा धयेत् ॥

(ii) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नममनोरथा सती ।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ॥

(iii) द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृत: ।

स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे ॥

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) व्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोद्धुं समुज्जृम्भते

छेत्तुं वज्रमणीञ्छिरीषकुसुमप्रान्तेन संनह्यते ।

माधुर्यं मधुबिन्दुना रचयितुं क्षाराम्बुधेरीहते

नेतुं वाञ्छति यः खलान्पथि सतां सूक्तैः सुधास्यन्दिभिः ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(9×2=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।

तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

(ii) निशम्य चैनां तपसे कृतोद्यमां सुतां गिरीशप्रतिसक्तमानसाम् ।

उवाच मेना परिरभ्य वक्षसा निवारयन्ती महतो मुनिव्रतात् ।।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

(iv) अनेकराजन्यरथाश्वसंकुलं तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम् ।

नयत्ययुग्मच्छदगन्धिरार्द्रतां भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः ।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (9)

Explain any **one** of the following in Sanskrit:

(i) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः ।

(ii) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।

(iii) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(12×3=36)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

Answer any **three** of the following :

(i) नीतिशतक के अनुसार 'मूर्खपद्धति' का वर्णन कीजिए।

Explain 'मूर्खपद्धति' according to Nitishatakam.

अथवा / OR

नीतिशतक में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी है - इस कथन का परीक्षण कीजिए।

The moral education described in Nitishatakam is very useful to the present society – Examine this statement.

(ii) कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठित अंश के आधार पर पार्वती के गुणों का वर्णन कीजिए।

Describe the virtues of Parvati on the basis of the mentioned text of the fifth canto of Kumarsambhavam.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा / OR

कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठितांश के अनुसार पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

Describe the penance of Parvati according to the mentioned text of the fifth canto of the Kumarsamabhavam.

(iii) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के अनुसार वनेचर की उक्ति को अपने शब्दों में लिखिए।

Write the statement of Vanechara according to the First Canto of the Kiratarjuniyam in your own words.

अथवा / OR

KALINDI COLLEGE LIBRARY

'भारवेरर्थगौरवम्' - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement – 'भारवेरर्थगौरवम्'.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्‌भव और विकास की विवेचना कीजिए। (15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write detail notes on any **two** of the following :

(i) जयदेव

(Jayadeva)

(ii) अमरुशतक

(Amrushatak)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) भर्तृहरि

(Bhartrihari)

(iv) बिल्हण

(Bilhana)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(5)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 581 **G**

Unique Paper Code : 2132102302

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hons.) – DSC**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. भाषाविज्ञान के प्रमुख अंगों का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss the main parts of linguistics

अथवा / OR

भाषा का अर्थ बताते हुए उसकी परिभाषा बताइये।

Explain the meaning of language and give its definition.

2. भाषाविज्ञान के अनुसार पदविज्ञान का परिचय दीजिए। (15)

Introduce terminology (पदविज्ञान) according to linguistics.

अथवा / OR

संस्कृत की दृष्टि से अर्थविज्ञान का वर्णन कीजिये।

Describe semantics from Sanskrit point of view.

3. मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास पर प्रभाव डालिए। (15)

Describe the development of Sanskrit from the original Indo-European languages.

अथवा / OR

KALINDI COLLEGE LIBRARY

भारतीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए।

Introduce the Indian language family.

4. तुलनात्मक भाषा विज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (15)

Throw light on the importance of Sanskrit in comparative linguistics.

अथवा / OR

भाषाशास्त्र के विकास में संस्कृत के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

Explain the contribution of Sanskrit in the development of philology.

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो- (7.5×4=30)

- मूल भाषा
- वाक्य के प्रकार
- प्राकृत
- ध्वनिपरिवर्तन के कारण
- पाणिनि-भिन्न व्याकरण संप्रदाय
- भाषा विज्ञान का नामकरण

KALINDI COLLEGE LIBRARY

Write a comment on **any four** of the following, one of which should be in Sanskrit –

- Original language
- Types of sentences
- Prakrit
- Reasons for sound change
- Panini–different grammar schools
- Nomenclature of linguistics

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(6)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

G

Sr. No. of Question Paper : 5427

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : B.A (H.) Sanskrit (DSE) (LOCF)

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer **All** questions.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(12×3=36)

Answer **any three** of the following questions :

(i) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित अष्टांग-योग का वर्णन कीजिए।

Describe the Aṣṭāṅgayoga as mentioned in the Yoga philosophy of Patanjali.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) 'श्रोतव्य श्रुतिवाक्येभ्यो मन्तव्यश्चोपपत्तिभिः।' के आधार पर ब्रह्मसाक्षात्कार के साधन श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (sravana), Reflection (manana) and meditation (nididhyasana) as methods of Self-presentation on this basis the statement 'Srotavya srutivakyebhyo mantavyascopapattibhih".

(iii) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of "Karma-Yoga" for a balanced living on the basis of Gita.

(iv) योगदर्शन में प्रतिपादित योग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

Explaining the nature of yoga as describe in the Yoga philosophy, elucidate the methods of Cittavṛttinirodha.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्ति-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of 'Bhakti-Yoga' for a balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain the following :

(क) अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम् ।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ।।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदु:खसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ।।

(ख) संकल्पप्रभवान्कामांस्त्यक्त्वा सर्वानशेषत: ।

मनसैवेन्द्रियग्रामं विनियम्य समन्तत: ।।

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत् ।।

(ग) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।

मामेवैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायण: ।।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ।।

(घ) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ।।

अथवा / OR

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ।।

(ङ) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ।।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ॥

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की व्याख्या कीजिए :- (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(क) तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः ।

(ख) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(ग) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः ।

4. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :-

(7)

Write short note in **Sanskrit** of any **one** of the following :

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(क) नियमा:

(ख) समाधि

(ग) आसन

KALINDI COLLEGE LIBRARY

7

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 5587 **G**

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre & Dramaturgy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. नाट्यमण्डप के लिए भूमिशोधन एवं मापन की विधि की विवेचना कीजिए। (12)

Discuss the methods for *bhumishodhana* (examining the land) and measurement of site for theatre.

अथवा / OR

नेता की विविध विशेषताओं को बताते हुए उसके प्रकार बताइये।

Describe the characteristics of Hero and its types.

2. अभिनय के महत्त्व को बताते हुए अभिनय के प्रकार बताइये। (12)

Discuss the importance and types of acting.

अथवा / OR

विविध कालखण्डों में रंगमंच के विकास का प्रतिपादन कीजिए।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

Describe the origin and development of stage in different ages.

3. कथावस्तु क्या है? कथावस्तु के प्रसंग में कार्यावस्था का वर्णन कीजिए। (12)

What is *Kathavastu* (subject matter)? Describe the *Karyavastha* (stages of action) in the context of *Kathavastu* (subject matter).

अथवा / OR

संस्कृत नाटच में कथावस्तु का महत्त्व बताइये।

Discuss the importance of subject-matter (kathvastu) in Sanskrit drama.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी लिखिए : (5×5=25)

Write short notes on any **five** of following :

(क) संवाद के प्रकार (Types of dialogues)

(ख) दारुकर्म (Wood work)

(ग) क्षत्रियस्तम्भ (Kashtriya Pillar)

(घ) नायिका (Heroine)

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ङ) उपरूपक (Uparupaka)

(च) मत्तवारिणी (Mattavarinai)

5. किन्हीं **दो** को परिभाषित कीजिए : (7)

Define any **two** of the following :

सूत्रधार (Stage Manager)

विभाव (Determinant)

विष्कम्भक (Vishkambhaka)

6. किसी **एक** पर **संस्कृत** भाषा में टिप्पणी लिखिए : (7)

Write a short note on any **one** of the following in **Sanskrit** language :

प्रवेशक (Praveshaka)

नेपथ्य (Green-room)

(1000)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 924 **G**

Unique Paper Code : 2132201101

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग – अ
Section A

1. निम्नलिखित **में से प्रत्येक खण्ड से किन्हीं दो** पर टिप्पणी कीजिए : (7×2=14)

Comment on any **two** from each of the following sections :

संहिता, ह्रस्व, अनुदात्त, इत् ।

भाग – ब
Section B

वृद्धि सन्धि, पूर्वरूप सन्धि, जश्त्व सन्धि, सत्व सन्धि (7×2=14)

भाग – स
Section C

कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, ध्रुवमपायेऽपादानम्, स्वतन्त्रः कर्ता (7×2=14)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (5)

Write the varnas of any **five** pratyaharas of the following :

हश्, झल्, जश्, शर्, खय्, इच्, अच् ।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** के उच्चारण स्थान लिखिए : (5)

Write the place of pronunciation any **five** of the following :

ह्, ऋ, ई, ओ, न्, फ्, ल्, क् ।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** की परिभाषा सोदाहरण दीजिए :

(2.5×4=10)

Difine with example any **four** of the following :

करण, अधिकरण, पद, प्लुत, लोप, इत् ।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** शब्दों का सन्धि कीजिए : (1×5=5)

Join any **five** from the following words :

दैत्य + अरिः, गिरि + ईशः, विष्णो + अत्र, सत् + चित्, जगत् + ईशः, पौ + अकः, देव + इन्द्रः

6. निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं पांच** पदों का सन्धिविच्छेद कीजिए :

(1×5=5)

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

Disjoin any **five** padas from the following words :

मध्वरिः, इत्यादिः, राजेन्द्रः, हरये, वागीशः, सज्जनः, महर्षिः, रामस्तिष्ठति ।

7. निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं पांच** पदों का सन्धिविच्छेद कीजिए : (2×5=10)

Compound any **five** of the following with indicating the name of Samasa :

वनस्य समीपम्, रामश्च कृष्णश्च, वृकात् भयम्, शब्दश्च अर्थश्च, नीलः कण्ठः यस्य सः, नखैः भिन्नः, ग्रामं गतः, पीतम् अम्बरं यस्य सः ।

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** रेखांकित पदों में विभक्ति का कारण बताइए : (2×4=8)

Explain the reason of application of the case-ending in any **four** of the following underlined words :

(i) गुरुं वन्दे ।

(ii) हिमालयात् गंगा प्रभवति ।

(iii) बलिं याचते वसुधाम् ।

(iv) गुरवे नमः ।

(v) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः ।

(vi) स्थाल्याम् ओदनं पचति ।

(1000)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(9)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 6261 **G**

Unique Paper Code : 62024320

Name of the Paper : Indian Buddhist Philosophy (BS-CBCS—503)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS Buddhist Studies**

Semester : III (Students admitted in and after the year 2019)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt **four** questions in all.
4. Question no. **7** is compulsory.
5. Marks are indicated against each of the questions.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
4. प्रश्न संख्या 7 अनिवार्य है ।
5. निर्धारित अंक प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख अंकित हैं ।

1. Discuss *Dukkhanirodha Āraya Satya.* (20)

   दुक्खनिरोध आर्य सत्य का विवेचन कीजिए ।

2. Discuss the path leading to *Dukkhunirodha.* (20)

   दुक्खनिरोध की ओर ले जाने वाले मार्ग का विवेचन कीजिए ।

3. The concept of *Pratītyasamutpāda* depicts the concern and goal of Buddhist Philosophy. Comment on this statement. (20)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

प्रतीत्यसमुत्पाद बौद्ध दर्शन की चिंता एवं लक्ष्य का चित्रण करता है। इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

4. Explain the concept of *Trilakṣaṇa*. (20)

त्रिलक्षण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

5. What do you mean by *Sarvāstivāda*? Describe its philosophical tenets. (20)

सर्वास्तिवाद से आप क्या समझते हैं? इसके दार्शनिक मतों का वर्णन कीजिए।

6. Write an essay on *Yogācāra* philosophy. (20)

योगाचार दर्शन पर एक निबंध लिखिए।

7. Write short notes on **any two** of the following :

निम्न में से **किन्हीं दो** पर लघु टिप्पणी लिखिए :

(i) Parinirvāṇa

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

परिनिर्माण

(ii) Pratisaṁkhyā-nirodha

प्रतिसंख्या निरोध

(iii) Pañcaskandha

पञ्चस्कन्ध

(iv) Sautrāntika (15)

सौत्रांतिक

(100)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(10)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 6043 **G**

Unique Paper Code : 62027501

Name of the Paper : Buddhist Cultural History and Heritage (BS-CBCS—505)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS Buddhist Studies**

Semester : V [Students admitted after the year 2019)

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

3. Attempt any **four** questions.

4. Question no. **1** is compulsory.

5. Marks are indicated against each question.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

5. निर्धारित अंक प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख अंकित हैं।

1. Write short notes on any **two** of the following :

(7½×2=15)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणी लिखिए :

(a) Kuśīnagara

कुशीनगर

(b) Bharhuta

भरहुत

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(c) *Dhammapada*

धम्मपद

(d) Ajātaśatru

अजातशत्रु

2. Discuss the origin and development of Buddhist sculpture. (20)

बौद्ध मूर्तिकला के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिए।

3. Describe the Buddhist cave art of Ajantā. (20)

अजन्ता के बौद्ध गुहा कला का वर्णन कीजिए।

4. Discuss the role of Vikramaśila University in the dissemination of Buddhism. (20)

बौद्ध धर्म के प्रचार में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की भूमिका का विवेचन कीजिए।

5. Describe the role of Kaniṣka in the dissemination of Buddhism. (20)

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

बौद्ध धर्म के प्रसार में कनिष्क की भूमिका का वर्णन कीजिए।

6. Discuss the importance of Bodha Gayā in the history of Buddhism. (20)

बौद्ध धर्म के इतिहास में बोध गया के महत्त्व का विवेचन कीजिए।

7. Write an essay on *Saddharmapuṇḍarīkasūtra*. (20)

सद्धर्मपुण्डरीकसूत्र पर एक निबन्ध लिखिए।

(100)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(11)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 885 **G**

Unique Paper Code : 2022201101

Name of the Paper : Introduction to Buddhism

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Buddhist Studies as MINOR/DSC Course/23**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **Four** Questions in all.

3. Question No. **1** is Compulsory.

4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write short notes on **any two** of the following : (30)

   निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखें :

   (a) Sarvāstivāda

   सर्वास्तिवाद

   (b) Sautrāntika

   सौत्रांतिक

   (c) Mādhyamika

   माध्यमिक

   (d) Yogācāra

   योगाचार

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. Evaluate the state of Buddhism during the reign of Kaniṣka or Harṣa. (20)

कनिष्क या हर्ष के शासनकाल के दौरान बौद्ध धर्म की स्थिति का मूल्यांकन कीजिए।

3. Write an analytical note on the date of the Buddha. (20)

बुद्ध की तिथि पर एक विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखिए।

4. What are the sources to construct the impact of Buddhism in India? Discuss in details. (20)

भारत में बौद्ध धर्म के प्रभाव के निर्माण के स्रोत क्या हैं? विस्तार से चर्चा कीजिए।

5. Why was the Second Buddhist Council convened? What were its consequences? Discuss it. (20)

द्वितीय बौद्ध संगीति क्यों आयोजित की गई थी? इसके परिणाम क्या थे? इस पर चर्चा कीजिए।

Or (अथवा)

Why was the Third Buddhist Council convened? What were its results? Explain.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

तृतीय बौद्ध संगीति क्यों आयोजित की गई थी? इसके परिणाम क्या रहे? व्याख्या कीजिए।

6. Discuss the main causes for the decline of Buddhism in India. (20)

भारत में बौद्ध धर्म के पतन के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए।

7. Discuss the contribution of Aśoka in the dissemination of Buddhism. (20)

बौद्ध धर्म के प्रसार में अशोक के योगदान की चर्चा कीजिए।

(100)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(12)

Your Roll No. ....

Sr. No. of Question Paper	:	972A
Unique Paper Code	:	2022201102
Name of the Paper	:	**Introduction to Buddhist Literature**
Name of the Course	:	B.A. (Prog.). Buddhist Studies as **MAJOR** /DSC Course
Semester	:	I

Maximum

Time : 3 Hrs.
Marks: 90

Instructions for the Candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश) :

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note : Answer may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt Four Questions in all. Question No. 1 is Compulsory.
कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any two of the following: 30
   निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :
   a) Mahāpadāna Sutta (महापदान सुत्त)
   b) Nidānakathā (निदान कथा)
   c) Mahāvastu (महावस्तु)
   d) Dasabhūmi (दसभूमि)

2. Describe the early life of the Buddha based on *Lalitavistara Sūtra.* 20
   ललितविस्तर सूत्र के आधार पर बुद्ध के प्रारंभिक जीवन का वर्णन कीजिए।

3. What do you understand by *Nav-Vaipulya Sūtra*? Discuss in details. 20
   नव–वैपुल्य सूत्र से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

4. Discuss in detail the subject matter of *Vinaya Piṭaka.* 20
   विनय–पिटक की विषय–वस्तु पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

5. Discuss the role of Aśoka in the Third Buddhist Council. 20
   तृतीय बौद्ध संगीति में अशोक की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

   OR (अथवा)

   Discuss the role of Kanishka in the Fourth Buddhist Council. 20
   चतुर्थ बौद्ध संगीति में कनिष्क की भूमिका की चर्चा कीजिए।

6. How did Pāli as a language help in the spread of Buddhism? Elaborate. 20
   एक भाषा के रूप में पालि ने बौद्ध धर्म के प्रसार में किस प्रकार सहायता की। व्याख्या कीजिए।

7. Discuss the essence of *Ariyapariyesana Sutta.* 20
   अरियपरियेसना सुत्त के सार पर चर्चा कीजिए।

   OR (अथवा)

   Describe the *Mahāparinibbāna* of the Buddha based on the *Mahāparinibbāna Sutta.* 20
   महापरिनिब्बाण सुत्त के आधार पर बुद्ध के महापरिनिब्बाण का वर्णन कीजिए।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(13)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 998 **G**

Unique Paper Code : 2132201102

Name of the Paper : Sanskrit Poetry (DSC-1)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit (NEP)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित **प्रत्येक भाग में से दो – दो** शलोकों की व्याख्या कीजिए।

Explain two shlokas from each part : (7×6=42)

खण्ड (क)

(i) ज्ञाने मौन क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः ।
गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव ।।

(ii) सोऽहमाजन्मशुद्धानामाफलोदयकर्मणाम् ।
आसमुद्रक्षितीशानामानाकरथवर्त्मनाम् ।।

(iii) आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः ।
आगमैः सदृशारम्भ आरम्भसदृशोदयः ।।

(iv) यथाविधिहुताग्नीनां यथाकामार्चितार्थिनाम् ।
यथापराधदण्डानां यथाकालप्रबोधिनाम् ।।

खण्ड (ख)

(i) तुल्येऽपराधे स्वर्भानुभार्नुमन्तं चिरेण यत् ।
हिमांशुमाशु ग्रसते तन्म्रदिम्नः स्फुटं फलम् ।।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) सखा गरीयान् शत्रुश्च कृत्रिमस्तौहिकार्यतः ।
स्यातामित्रौमित्रेचसहजप्राकृतावपि ॥

(iii) स्वयं प्रणमतेऽल्पेऽपि परवायावुपेयुषि ।
निदर्शनमसाराणां लघुर्बहुतृणं नरः ॥

(iv) षड्गुणाः शक्तयस्तिस्रःसिद्धयश्चोदयास्त्रयः ।
ग्रन्थानधीत्यव्याकर्तुमिति दुर्मेधसोऽप्यलम् ॥

खण्ड (ग)

(i) केयूराणिन भूषयन्ति पुरुष हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ॥

(ii) शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं
महीध्रादुत्तृंगादवनिमवनेश्चापि जलधिम् ।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ॥

(iii) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः ।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि च तं नरं न रञ्जयति ॥

(iv) येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ॥

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर निबंध लिखिए : (3×10=30)

Write essay on **any three** of the following :

(i) कालिदास की भाषा-शैली

(ii) मेघेमाघेगतंवय:

(iii) मूर्खो के प्रकार

(iv) विद्या का महत्व

3. महाकाव्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Throw light on the origin and development of the Mahakavya.

अथवा / OR

प्रमुख गीतिकाव्यों पर निबंध लिखिए।

Write an essay on important Gitikavya's.

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : (2×4=8)

Write short notes on **any two** of the following :

कालिदास, अश्वघोष, जयदेव, भारवि।

(1000)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(14)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

G

Sr. No. of Question Paper : 820

Unique Paper Code : 2022202301

Name of the Paper : Introduction to Tibetan Buddhism

Name of the Course : **B.A. (Prog.). Buddhist Studies as NON-MAJOR/ DSC Course/23**

Semester : III

Duration : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **Four** Questions in all.

3. Question No. **1** is Compulsory.

4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on **any two** of the following : (30)

   निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :

   (a) Sakya

   शाक्य

   (b) Gelug

   गेलुग

   (c) Nyingma

   न्यिंग्मा

   (d) Kagyu

   काग्यू

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. Discuss the role of Emperor Srong-san-gam-po in the spread of Buddhism in Tibet. (20)

तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रसार में सम्राट स्त्रोंग-सान-गाम-पो की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

3. Discuss the literary contribution of Thonmi Sambhota in the history of Buddhism in Tibet. (20)

तिब्बत में बौद्ध धर्म के इतिहास में थोंमी सम्भोट के साहित्यिक योगदान की चर्चा कीजिए।

4. Discuss the role of Padmasambhava and Śāntarakṣita in the propagation of Buddhism in Tibet. (20)

तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में पद्मसंभव और शांतरक्षित की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

5. Enumerate the formation of the Tibetan Canon as Kangyur and Tangyur. Name some of the Tibetan texts listed under them. (20)

कंग्यूर और तंग्यूर के रूप में तिब्बती ग्रंथों के निर्माण का वर्णन कीजिये। उनके अंतर्गत सूचीबद्ध कुछ तिब्बती ग्रंथों के नाम बताइए।

6. Write a brief note on the four major schools of Tibetan Buddhism. (20)

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

तिब्बती बौद्ध धर्म के चार प्रमुख विद्यालयों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. Discuss the role of Dharmarajas in the propagation of Buddhism in Tibet. (20)

तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में धर्मराजों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

Or (अथवा)

Describe the contribution of Atīśa Dīpaṅkara in the second dissemination of Buddhism in Tibet.

तिब्बत में बौद्ध धर्म के दूसरे प्रसार में अतीश दीपंकर के योगदान का वर्णन कीजिए।

(100)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(15)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 860 **G**

Unique Paper Code : 2132202301

Name of the Paper : Sanskrit Theatre

Name of the Course : **B.A. (Prog.) – DSC**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

860

1. प्रागैतिहासिक काल में रंगमंच के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए। (18)

Throw light on the gradual development of theatre in prehistoric times.

अथवा / OR

नाट्यशास्त्र के टीकाकार अभिनवगुप्त का परिचय देते हुए उनके ग्रंथ का प्रतिपाद्य बताइये।

Introducing the Abhinav Gupta as commentator of Natyashastra, explain the contents of his commentary.

2. नाट्यमंडपों के प्रकार की विशद चर्चा कीजिये। (18)

Discuss in detail the types of theatre pavilions.

अथवा / OR

भरत मुनि स्तंभ-स्थापन के अवसर पर चारों वर्णों का किस तरह से उसमें समावेश करते हैं?

How does Bharat Muni incorporate the four varnas on the occasion of the installation of the pillar?

KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. अभिनय से आप क्या समझते हैं? आंगिक अभिनय का वर्णन कीजिये। (18)

What do you understand by acting? Describe body acting.

अथवा / OR

अर्थप्रकृति एवं कार्यावस्था का वर्णन कीजिये।

Describe the economic nature (अर्थप्रकृति) and working conditions (कार्यावस्था).

4. रस की उत्पत्ति में नायक की भूमिका का प्रतिपादन कीजिये। (18)

Explain the role of the hero in the origin of Rasa.

अथवा / OR

भारतीय संस्कृति में रस की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the concept of Rasa in Indian culture.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी कीजिये, जिसमें से **एक** संस्कृत में हो :- (6×3=18)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

- मुक्ताकाशी रंगमंच
- मत्तवारणी
- अर्थोपक्षेपक
- स्वकीया नायिका
- साधारणीकरण

Comment on any **three** of the following, **one** of which should be in **Sanskrit** :–

- Muktakashi Theatre
- Drunkenness
- Onomatopoeia
- Self-proclaimed heroine
- Generalization

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(16)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 934 **G**

Unique Paper Code : 2022202302

Name of the Paper : Introduction to Chinese Buddhism

Name of the Course : **B.A. (Prog.). Buddhist Studies as MAJOR/DSC Course/23**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **Four** Questions in all.

3. Question No. **1** is Compulsory.

4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write short notes on **any two** of the following : (30)

   निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखें :

   (a) Xuanzang

   ह्वेन त्सांग

   (b) Faxian

   फाहियान

   (c) I-tsing

   इत्सिंग

   (d) Taoism

   ताओ धर्म

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. Write an essay on the state of Buddhism during the Han Dynasty. (20)

हान राजवंश के दौरान बौद्ध धर्म की स्थिति पर एक निबंध लिखिए।

3. Discuss the role of Silk land routes or Sea routes in the propagation of Buddhism in China. (20)

चीन में बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में रेशम भूमि मार्गों या समुद्री मार्गों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

4. Give a descriptive account of some of the major Buddhist festivals in China. (20)

चीन में कुछ प्रमुख बौद्ध त्योहारों का वर्णनात्मक विवरण दीजिए।

5. What was the Principal technique used during the Tang/Sung period for the dissemination of Buddhism in China? Discuss the structure of any one of its procedural orders. (20)

चीन में बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए तांग-सुंग काल के दौरान उपयोग की जाने वाली प्रमुख तकनीक क्या थी? इसके किस एक प्रक्रियात्मक आदेश की संरचना पर चर्चा कीजिए।

6. Enumerate the important Han Centres of Buddhism. (20)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

बौद्ध धर्म के प्रमुख ज्ञान केंद्रों का वर्णन कीजिए।

7. Discuss the impact of Indian Buddhism on Chinese Buddhist Sects. (20)

चीनी बौद्ध संप्रदायों पर भारतीय बौद्ध धर्म के प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

(100)

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(17)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 960 **G**

Unique Paper Code : 2132202302

Name of the Paper : Gita and Upanisad

Name of the Course : **B.A. with Sanskrit, DSE**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. **All questions are compulsory.**

3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं छः प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए।

Answer **any six** of the following questions in brief.

(6×3=18)

(i) गीता का परिचय दीजिए।

(ii) शरीर और शरीरी में क्या भेद है?

(iii) स्थितधी से क्या आशय है?

(iv) प्रश्नपत्र में निहित मन्त्रों/श्लोकों के अतिरिक्त कोई एक कण्ठस्थ श्लोक या मन्त्र लिखिए।

(v) उपनिषद् से आप क्या समझते हैं व्युत्पत्ति लभ्य अर्थ बताइए।

(vi) अपने पाठ्यक्रम में निहित उपनिषद् का परिचय दीजिए।

(vii) 'भुञ्जीथाः' पद में लकार, पुरूष एवं वचन बताइए।

(viii) ईशावास्यमिदं सर्व... मन्त्र में कौन-सा छन्द है ?

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए ।

Explain **any five** of the following with context.

(5×5=25)

(i) अन्तवन्त इमे देहा नित्यस्योक्ता: शरीरिण: ।
अनाशिनोऽप्रमेयस्य तस्माद्युध्यस्व भारत ।।

(ii) व्यवसायात्मिका बुद्धिरेकेह कुरुनन्दन ।
बहुशाखा ह्यनन्ताश्च बुद्धयोऽव्यवसायिनाम् ।।

(iii) प्रसादे सर्वदु:खानां हानिरस्योपजायते ।
प्रसन्नचेतसो ह्याशु बुद्धि: पर्यवतिष्ठते ।।

(iv) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समा: ।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे ।।

(v) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ।।

(vi) अग्ने नय सुपथा राये अस्मान्विश्वानि देव वयुनानि विद्वान् ।
युयोध्यस्मज्जुहुराणमेनो भूयिष्ठां ते नम उक्तिं विधेम ।

3. निम्नांकित में से **तीन विषयों** को संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ।

Write a short **note on three** of the following topics.

(3×5=15)

(i) स्थितप्रज्ञ ।

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) योगः कर्मसु कौशलम् ।

(iii) ईशावास्योपनिषद् के अनुसार जगत्।

(iv) तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः ।

4. गीता को दृष्टि में रखते हुए आत्मा के स्वरूप, विशेषताओं और प्रकृति को स्पष्ट कीजिए । (16)

Elucidate the character, characteristics and nature of Atman on the basis of Gita.

अथवा /OR

ज्ञानयोग क्या है ? इसका सम्बन्ध भक्तियोग से स्थापित कीजिए।

What is Jnana Yoga ? Establish its relation with *Bhakti Yoga*.

5. ईशावास्योपनिषद् के आधार पर आत्मा का वर्णन कीजिए। (16)

Describe Atman on the basis of Isavasyopanisad.

अथवा /OR

उपनिषदीय ब्रह्म के स्वरूप एवं कार्य-स्थिति को निबन्धित कीजिए।

Write an essay on the nature and functioning of the Upanisadic *Brahman*.

(700)

KALINDI COLLEGE LIBRARY